गुरुनानक कॉलेज,धनबाद

हिंदी दिवस-2025 का आयोजन बड़े ही धूम- धाम से मनाया गया।

हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 25-09-2025 को गुरुनानक कॉलेज के हिंदी-विभाग द्वारा भूदा परिसर के 'एस. जे. एस. ग्रेवाल' सभागार में आयोजित किया गया।

हिंदी दिवस के तहत महोत्सव- 'भाषा का- संस्कृति का- धरोहर का' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आरंभ औपचारिक स्वागत वंदन से हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आर. एस. चहल सर और सरदार गुरु चरण सिंह मांझा(अध्यक्ष जी. पी. सी)उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और बिहारी लोक नृत्य से हुई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर सोनू प्रसाद यादव ने स्वागत-भाषण से किया तथा संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात हिंदी विभाग के छात्र-छात्राओं (रिया,अंजलि,मुस्कान,आरती,प्रिया, दिव्या) ने कविता पाठ कर समां बाँधा। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति दुर्गा स्तुति एवं असुर मर्दन रही। कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि हिंदी विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा काव्यशास्त्र,भाषा एवं साहित्य से संबंधित मॉडल की प्रदर्शनी रही जिसे सभी गणमान्य लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।कार्यक्रम का संचारहा प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद यादव ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस भव्य कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रंजना दास का संपूर्ण मार्गदर्शन रहा।

कार्यक्रम में प्रो. इन चार्ज - प्रो. दीपक कुमार,(भूदा कैंपस), प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. संजय सिन्हा, प्रो. संतोष, प्रो. मीना मालखंडी, प्रो. पीयूष अग्रवाल, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो. अभिषेक, प्रो. एकता, प्रो. मनीषा, प्रो. मुकेश महतो, प्रो. विश्वनाथ सुश्री नुश्रत् तथा अन्य शिक्षकेत्तर कर्मियों की उपस्थिति रही।

Picture Gallery

गुरू नानक कॉलेज,धनबाद
हिंदी दिवस
महोत्सव

गुरू नानक कॉलेज,धनबाद
हिंदी दिवस
महोत्सव

गुरू नानक कॉलेज,धनबाद
हिंदी दिवस
महोत्सव

गुरू नानक कॉलेज,धनबाद

गुरू नानक कॉलेज,धनबाद

Press Release

हिन्दुस्तान

[redacted]

हिन्दुस्तान

शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन भी हुई मां कूष्मांडा की आराधना, माता के चरणों में भक्ति समर्पित करने देवी मंदिरों में जुटे श्रद्धालु

आज भक्तिभाव से पूजी जाएंगी मां स्कंदमाता

दुर्गोत्सव

धनबाद, वरीय संवाददाता। शहर में शनिवार को मां दुर्गे के पांचवें स्वरूप स्कंदमाता की पूजा की जाएगी। शनिवार को पांचवीं तिथि है। सभी देवी मंदिरों, देवी मंडप और पूजा पंडालों में स्कंदमाता की आराधना होगी। इससे पूर्व शुक्रवार को भी लगातार दो दिनों तक चतुर्थी तिथि रहने के कारण माता कूष्मांडा की पूजा हुई।

शुक्रवार को बांग्ला पंचांग के अनुसार रात्रि में षष्ठी का प्रवेश हो रहा है। पंचमी तिथि में ही संध्या में देवी का बोधन होगा। देवी बोधन बांग्ला पद्धति में दुर्गा पूजा के प्रारंभिक और सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों में से एक है। बोधन अनुष्ठान के बाद ही देवी के स्वागत की प्रक्रिया शुरू होती है। जैसे आमंत्रण और अधिवास करते हैं, यह षष्ठी तिथि को 28 सितंबर को होगा। शनिवार को कई पूजा पंडालों का भी उद्घाटन होगा।

कार्तिकेय की माता होने से देवी का नाम पड़ा स्कंदमाता : शक्ति मंदिर के ब्रजेश मिश्र बताते हैं कि देवी के इस स्वरूप की आराधना से व्यक्ति की सभी कामनाएं पूरी होती हैं।

मां अपने भक्तों पर पुत्र के [illegible]मान स्नेह लुटाती हैं। मां की उपास[illegible] नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। मां स्कंदमाता स्कंद कुमार भगवान कार्तिकय की मां हैं। कार्तिकेय की [illegible] इस स्वरूप को स्कंदमाता नाम मिला। काशी खंड, देवी पुराण और स्कंद पुराण में देवी का विराट वर्णन है। मान्यता है कि मां की उपासना करने से संतान की प्राप्ति होती है।

शक्ति मंदिर में शुक्रवार को माता रानी की आरती करते भक्त।

बारिश के बावजूद शक्ति मंदिर में उमड़ी श्रद्धा

धनबाद। नवरात्र में दो दिन एक ही ति[illegible] होने के कारण शुक्रवार को भी म[illegible] कूष्मांडा स्वरूप की पूजा की ग[illegible] शक्ति मंदिर में माता रानी ने भक्तों को [illegible]फेद व लाल पाड़ की साड़ी व चुनरी [illegible]दर्शन दिए। माता रानी को भोग लगाय[illegible]या। शुक्रवार को बारिश के बाद भी [illegible]तों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी [illegible]ाथों में दीये लेकर लोगों ने मां की आ[illegible]ती की। मंदिर कमेटी के सह सचि[illegible]ुरेंद्र अरोड़ा ने बताया कि नवरात्र में [illegible]ा रानी को भोग चढ़ाने को बुकिंग [illegible]ी है।

गरबा व धुनुची से सजा गुजराती स्कूल का दुर्गोत्सव

धनबाद। गुजराती स्कूल में माता रानी की चौकी के समक्ष शुक्रवार को गुजराती और [illegible]द्भुत संयोग दिखने को मिला। दरअसल शुक्रवार को गरबा की शुरुआत से पूर्व बांग्ला परंपरा के अनुसार माता का आह्वान कर धुनुची नृत्य किया गया। महिलाओं ने मिट्टी से बनी धूपदानी में नारियल और हवन साम्रगी का धूप माता रानी को दिखाया और इसी पात्र को चारों ओर घुमाकर ऐसा नृत्य किया

जीएन कॉलेज में दुर्गा स्तुति ने किया आकर्षित

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज के हिन्दी विभाग में शुक्रवार को हिन्दी दिवस के तहत महोत्सव भाषा का, संस्कृति का, धरोहर का कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विशिष्ट अतिथि शासी निकाय अध्यक्ष आरएस चहल और गुरु चरण सिंह मांझा अध्यक्ष जीपीसी मौजूद थे। दुर्गा स्तुति व असुर मर्दन आकर्षण का केंद्र रहा। मौके पर प्रो सोनू यादव, प्रो सिमरन श्रीवास्तव, प्रो दीपक कुमार, प्रो अमरजीत सिंह, प्रो संजय सिन्हा, प्रो संतोष, प्रो मीना मालखंडी, प्रो पीयूष अग्रवाल, प्रो दलजीत सिंह, प्रो अभिषेक, प्रो एकता, प्रो मनीषा, प्रो मुकेश महतो व प्रो विश्वनाथ मौजूद थे।।

[redacted]

जीएन कॉलेज में दुर्गा स्तुति ने किया आकर्षित

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज के हिन्दी विभाग में शुक्रवार को हिन्दी दिवस के तहत महोत्सव भाषा का, संस्कृति का, धरोहर का कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विशिष्ट अतिथि शासी निकाय अध्यक्ष आरएस चहल और गुरु चरण सिंह मांझा अध्यक्ष जीपीसी मौजूद थे। दुर्गा स्तुति व असुर मर्दन आकर्षण का केंद्र रहा। मौके पर प्रो सोनू यादव, प्रो सिमरन श्रीवास्तव, प्रो दीपक कुमार, प्रो अमरजीत सिंह, प्रो संजय सिन्हा, प्रो संतोष, प्रो मीना मालखंडी, प्रो पीयूष अग्रवाल, प्रो दलजीत सिंह, प्रो अभिषेक, प्रो एकता, प्रो मनीषा, प्रो मुकेश महतो व प्रो विश्वनाथ मौजूद थे।।

एक नजर में

काव्यशास्त्र व भाषा–साहित्य पर आधारित प्रदर्शनी लगाई

धनबाद : गुरुनानक कालेज के हिंदी विभाग की ओर से भूदा परिसर में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। विषय भाषा, संस्कृति, धरोहर था। हिंदी विभाग की छात्राओं रिया, अंजलि, मुस्कान, आरती, प्रिया और दिव्या ने कविता पाठ कर वातावरण को साहित्यिक रंग से भर दिया। अंतिम प्रस्तुति दुर्गा स्तुति एवं असुर मर्दन रही। विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा काव्यशास्त्र, भाषा और साहित्य पर आधारित माडल प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। संचालन प्रो. सिमरन ने किया। (**जासं**)